भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- **251**

दिनांक **19** जुलाई, 2022 के लिए प्रश्न

पशु चिकित्सा केंद्र

251. कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन राठौरः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वर्ष 2014-2022 के मध्य राज्य-वार और राजस्थान में जिला-वार कितने पशु चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं;

(ख) देश में पशुओं में रोगों की रोकथाम के लिए पशुओं के टीका लगाने वाले केन्द्रों की जून 2022 तक राज्य-वार और राजस्थान में जिला-वार संख्या कितनी है;

(ग) सरकार द्वारा पशुधन के लिए टीका कवरेज बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और वर्ष 2018-2022 के मध्य कितने जागरूकता अभियान वर्ष-वार और राज्य-वार तथा राजस्थान के लिए जिला-वार चलाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार की पशु चिकित्सा पेशेवरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए और अधिक पशु चिकित्सा विद्यालय स्थापित करने या ऐसे महाविद्यालयों में सीटें बढ़ाने या छात्रवृत्ति प्रदान करने की कोई योजना है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख) पशु चिकित्सा सेवाओं और पशु चिकित्सा शिक्षा सहित, पशुपालन राज्य का विषय है। राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2014-15 से वर्ष 2021-2022 के बीच इसने 4001 नए पशुचिकित्सा उपकेन्द्रों को संस्वीकृत किया है और 611 पशु चिकित्सा संस्थानों को पशु चिकित्सा अस्पतालों में अपग्रेड किया है। राजस्थान में पशु चिकित्सा संस्थानों का राज्य-वार और जिला-वार विवरण क्रमशः अनुबंध -1क और 1ख में संलग्न है। ये संस्थान टीकाकरण सहित पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते हैं।

(ग) पशुधन हेतु टीकाकरण कवरेज बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं -

(i) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएच एंड डीसीपी) के तहत राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) में राजस्थान राज्य सहित पूरे देश में कार्यक्रम के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए होर्डिंग्स, प्रिंट सामग्री, दीवार पेंटिंग, दृश्य-श्रव्य माध्यम, पत्रक आदि रूपों से जागरूकता पैदा करने के लिए एफएमडी और ब्रुसेलोसिस के संबंध में क्रमशः 10,000 रुपये प्रति ब्लॉक और 5,000 रुपये प्रति ब्लॉक की दर से निधियों का प्रावधान है। ।

(ii) विभाग टीका लगाए गए पशुओं के कान में टैग लगाकर उनकी निगरानी करके और उन्हें केंद्रीय डेटाबेस (एनडीडीबी में बनाए गए आईएनएपीएच पोर्टल) पर पंजीकृत करके से टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित कर रहा है।

(iii) राज्य, एलएचडीसीपी के पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी) नामक के घटक से प्राप्त निधियों का उपयोग करते हुए राज्यों में टीकाकरण कवरेज बढ़ाने के लिए टीकाकरण से पहले जागरूकता शिविरों का ब्यौरा आयोजित करते हैं। राजस्थान में आयोजित जिलेवार जागरूकता शिविर का ब्यौरा अनुबंध-2 में संलग्न है।

(घ) भारत के संविधान की 7वीं अनुसूची के तहत पशु चिकित्सा शिक्षा राज्य का मामला है। इसलिए पशु चिकित्सा महाविद्यालयों को शुरू करना और उनकी कुल सीटों की संख्या को बढ़ाना, राज्यों से संबंधित मामला है। हालांकि, सरकार ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से ईडब्ल्यूएस (10%) और ओबीसी (27%) के तहत सीटों को आरक्षित करके बीवीएससी और एएच डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए सीटों की संख्या में वृद्धि की अनुमति भी दे दी है।

पशु चिकित्सा संस्थानों की संख्या (दिनांक **31/03/2021** की स्थिति के अनुसार)					
क्र.स.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	पशु चिकित्सा अस्पताल / पॉलीक्लिनिक	पशु चिकित्सा डिस्पेंसरियां	पशु चिकित्सा सहायता केंद्र (स्टॉकमैन केंद्र / मोबाईल डिस्पेंसरियां	कुल
1	आंध्र प्रदेश	337	1576	1275	3188
2	अरुणाचल प्रदेश	15	180	305	500
3	असम	21	443	767	1231
4	बिहार	39	1098	1595	2732
5	छत्तीसगढ	341	829	434	1604
6	गोवा	5	25	50	80
7	गुजरात	34	702	1057	1793
8	हरियाणा	1053	1818	22	2893
9	हिमाचल प्रदेश	465	1759	1234	3458
10	जम्मू और कश्मीर	20	503	1301	1824
11	झारखंड	35	424	433	892
12	कर्नाटक	695	2135	1382	4212
13	केरल	278	865	20	1163
14	मध्य प्रदेश	1063	1583	65	2711
15	महाराष्ट्र	39	1908	2906	4853
16	मणिपुर	56	109	34	199
17	मेघालय	4	122	128	254
18	मिजोरम	11	67	69	147
19	नागालैंड	11	51	82	144
20	ओडिशा	541	3239	314	4094
21	पंजाब	1398	1489	20	2907
22	राजस्थान	2530	198	5790	8518
23	सिक्किम	18	52	57	127
24	तमिलनाडु	182	2741	896	3819
25	तेलंगाना	107	909	1201	2217
26	त्रिपुरा	16	60	462	538
27	उत्तराखंड	329	10	778	1117

28	उत्तर प्रदेश	2208	267	2575	5050
29	पश्चिम बंगाल	112	612	2606	3330
30	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	10	13	13	36
31	चंडीगढ़	5	9	0	14
32	लद्दाख	0	0	0	0
33	दादरा और नगर हवेली	1	2	3	6
34	दिल्ली	50	26	0	76
35	लक्षद्वीप	0	9	1	10
36	पुदुचेरी	0	17	74	91
	कुल	**12029**	**25850**	**27949**	**65828**

अनुबंध- I ख

राजस्थान में जिलेवार पशु चिकित्सा संस्थान

क्र.स.	जिले का नाम	पशु चिकित्सा संस्थानों की कुल संख्या
1.	अजमेर	289
2.	भीलवाड़ा	316
3.	कुचामन सिटी (नागौर)	237
4.	नागौर	245
5.	टोंक	204
6.	भरतपुर	354
7.	धौलपुर	118
8.	करोली	168
9.	स. माधोपुर	185
10.	बीकानेर	285
11.	चुरू	273
12.	हनुमानगढ़	254
13.	श्री गंगानगर	240
14.	जयपुर	570
15.	अलवर	496
16.	दौसा	216
17.	झुंझुनू	338
18.	सीकर	390
19.	जोधपुर	373
20.	बाड़मेर	340
21.	जैसलमेर	121
22.	जालौर	224
23.	पाली	266
24.	सिरोही	147
25.	कोटा	159
26.	बरन	171
27.	बूंदी	147
28.	झालावर	157
29.	उदयपुर	450
30.	बंसवाड़ा	246
31.	चित्तौड़गढ़	232
32.	डूंगरपुर	269
33.	राजसमंद	196
34.	प्रतापगढ़	155
	कुल	**8831**

अनुबंध-**2**

जिलेवार जागरूकता शिविर

क्र.स.	जिले का नाम	वर्ष **2021-22** के दौरान आयोजित जागरूकता शिविरों की कुल संख्या
1.	अजमेर	17
2.	भीलवाड़ा	15
3.	कुचामन सिटी (नागौर)	9
4.	नागौर	8
5.	टोंक	9
6.	भरतपुर	13
7.	धौलपुर	8
8.	करोली	7
9.	स. माधोपुर	10
10.	बीकानेर	11
11.	चुरू	8
12.	हनुमानगढ़	8
13.	श्री गंगानगर	11
14.	जयपुर	24
15.	अलवर	19
16.	दौसा	9
17.	झुंझुनू	13
18.	सीकर	15
19.	जोधपुर	20
20.	बाड़मेर	8
21.	जैसलमेर	4
22.	जालौर	10
23.	पाली	12
24.	सिरोही	7
25.	कोटा	8
26.	बरन	7
27.	बूंदी	7
28.	झालावार	9
29.	उदयपुर	14
30.	बंसवारा	11
31.	चित्तौड़गढ़	12
32.	डूंगरपुर	11
33.	राजसमंद	9
34.	प्रतापगढ़	6
	कुल	**379**

टिप्पणी-

1. वर्ष **2018-19** के दौरानः एएससीएडी में जागरूकता शिविरों के लिए बजट का प्रावधान नहीं था, इसलिए शिविर का आयोजन नहीं किया गया।

2. वर्ष **2019-20** एवं **2020-21** के दौरानः राज्य में कोविड-**19** की स्थिति के कारण एएससीएडी के तहत कोई जागरूकता शिविर आयोजित नहीं किया गया।

******